आज का आनंद 4/12/2017 Pg No. 10

32वीं पुणे अंतर्राष्ट्रीय मैराथन में इथोपिया के गेटाचेव बेशा प्रथम

भारतीय ग्रुप में पुणे के करण सिंह व संग्राम स्पोर्ट्स प्रतिष्ठान की संपदा बुचड़े ने बाजी मारी

पुणे, 3 दिसंबर (आ.प्र.)

32वीं पुणे अंतर्राष्ट्रीय मैराथन में 42 किलोमीटर की फुल मैराथन स्पर्धा में इथोपिया के गेटाचेव बेशा ने 2 घंटे 15 मिनट 15 सेकंड में यह फासला तय करते हुए प्रथम क्रमांक हासिल किया. भारतीय ग्रुप में पुणे के करण सिंह एवं महिला ग्रुप में संग्राम स्पोर्ट्स प्रतिष्ठान की संपचा बुचड़े ने बाजी मारी.

42 किलोमीटर फुल मैराथन में गेटाचेव बेशा ने 2 घंटे 15 मिनट 15 सेकंड, जेलालेम लेमा डेलिमा ने 2 घंटे 15 मिनट 31 सेकंड तथा देवजी कासवा ने 2 घंटे 17 मिनट 20 सेकंड में यह फासला तय किया. फुल मैराथन में भारतीय पुरुषों के ग्रुप में करण सिंह ने 2 घंटे 28 मिनट 1 सेकंड, किशोर गव्हाणे ने 2 घंटे 29 मिनट 26 सेकंड तथा दादासाहब खिलारे ने 2 घंटे 40 मिनट 27 सेकंड में 42 किलोमीटर का फासला तय करते हुए क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय क्रमांक प्राप्त किया.

21 किलोमीटर की महिला हाफ मैराथन में तिशुआ बजानी, एग्री बेलीव व दासचेली जेपीकोगेल; 21 किलोमीटर पुरुष हाफ मैराथन में मिटीकू टाफी डी, आबाइबे ताफेशाफा एवं वाकुशुमा बोलेचा तथा 21 किलोमीटर हाफ मैराथन इंडियन वूमन स्पर्धा में संपदा बुचड़े, विनया मालुसरे एवं निकिता गवली ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय क्रमांक हासिल किए.

पुणे अंतर्राष्ट्रीय मैराथन स्पर्धा के उद्घाटन समारोह में महापौर अनुपस्थित रहीं

पुणे अंतर्राष्ट्रीय मैराथन स्पर्धा को भारतीय एथेलेटिक्स महासंघ की मंजूरी न मिलने की वजह से पुणेवासियों ने इस स्पर्धा से मुंह मोड़ लिया. यह बात रविवार को मैराथन हेतु निर्धारित मार्ग पर स्पष्ट रूप से देखी गई. इस स्पर्धा की स्वागताध्यक्षा महापौर मुक्ता तिलक भी उद्घाटन समारोह में अनुपस्थित रहीं.

पुणे मैराथन ट्रस्ट एवं पुणे मनपा द्वारा संयुक्त रूप से यह स्पर्धा स्व. बालासाहब ठाकरे आर्ट गैलरी से सुबह 5.30 बजे शुरू की गई. आयोजकों ने फ्लैग ऑफ कार्यक्रम में पुणे की प्रथम नागरिक महापौर की उपस्थिति की बात कही थी, मगर महापौर अनुपस्थित रहीं. मनपा के सभी नगरसेवक एवं अधिकारी भी नदारद रहे. अंतत: पूर्व ओलम्पियन बालकृष्ण अकोटकर, पूर्व विधायक दीप्ति चौधरी, महाराष्ट्र एथलेटिक्स संगठन के उपाध्यक्ष अभय छाजेड़, स्पर्धा संचालक प्रल्हाद सावंत एवं रोहण मोरे की उपस्थिति में स्पर्धा शुरू की गई. इस बार सुबह अंधेरा अधिक होने की वजह से पहले पांच किलोमीटर तक अफ्रीकन धावकों को परेशानी हुई. मार्ग पर संयोजकों एवं स्वयंसेवकों के अलावा अन्य नागरिक एवं स्कूलों के स्टूडेंट्स भी स्वागत के लिए उपस्थित नहीं थे, इस वजह से स्पर्धियों का उत्साह कम रहा.

मैराथन का समापन सणस मैदान पर किया गया. 'माझी धाव पुण्यासाठी' स्पर्धा का फ्लैग ऑफ सीपी रश्मि शुक्ला के हाथों किया गया. यहां नगरसेवक एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे. तीन किलोमीटर की यह दौड़ तिलक रोड से अलका चौक होते हुए खंडोजी बाबा चौक पर पहुंची व वहां से वापस सणस मैदान पर पहुंचकर इसका समापन हुआ.

स्पर्धा के पुरस्कार वितरण समारोह में महापौर मुक्ता तिलक उपस्थित रहीं. यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि इस मैराथन को मंजूरी न मिलने की वजह से पुरस्कार हेतु निर्धारित 35 लाख रुपए का फंड रोका गया है. यह फंड मनपा के नियमों के अनुसार दिया जाएगा.

परंपरागत रूप से पुणे अंतर्राष्ट्रीय मैराथन स्पर्धा का समापन नेहरू स्टेडियम पर किया जाता है, मगर स्टेडियम के रिन्यूवल के बाद पिछले दो सालों से समापन सणस मैदान पर किया जा रहा है. सणस मैदान पर समापन हेतु बनाए गए सिंथेटिक ट्रैक की मरम्मत पर मनपा द्वारा लाखों रुपए खर्च किए गए हैं, मगर फिर भी खिलाड़ियों में चर्चा थी कि मनपा द्वारा सिंथेटिक ट्रैक की उपेक्षा की जा रही है.

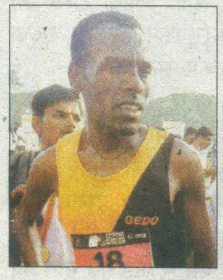

1) 42 किलोमीटर मेन मैराथन के विजेता गेटाचेव बेशा 2) 42 किलोमीटर भारतीय ग्रुप के प्रथम तीन विजेता करण, किशोर एवं दादासाहब 3) भारतीय वूमन हाफ मैराथन विजेता संपदा बुचड़े 4) हाफ मैराथन अंतर्राष्ट्रीय ग्रुप में प्रथम व द्वितीय क्रमांक प्राप्तकर्ता खिलाड़ी.

- **भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की मंजूरी न मिलने की वजह से पुणेवासियों ने स्पर्धा से मुंह मोड़ा**
- **पुरस्कार हेतु निर्धारित 35 लाख रुपए का फंड भी रोका गया**
- **मार्ग पर स्वागत हेतु नागरिकों एवं स्टूडेंट्स के न रहने के चलते फीकी रही स्पर्धा**